



भाजपा का संकल्प पत्र

महिला, किसान, युवा और दलितों को साधा

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरो। झारखंड में भाजपा ने 1.80 लाख लोगों से रायशुमारी के बाद चुनाव को ले जारी किया संकल्प पत्र।

आदिवासी का आरण 27 प्रतिशत तक बढ़ाने एवं भूमिक्षियन द्वारा लोगों को पांच चाला जीपी का पट्टा देने के बड़े वार्ताएं के साथ-साथ एक रुपये में 50 लाख की संपत्ति की रिजिस्ट्री की योजना को वापस लागू करने की बात भाजपा ने कही है। आदिवासी संकल्प की रक्षा के साथ-साथ प्राचीन दर्वी मंदिरों को जोड़ते हुए भगवानी संकट स्थापित करने, बाबा वैद्यनाथ एवं वासुकीनाथ तीर्थों को जोड़ने और आदिवासी नावकों के स्मारक स्मृतियों को जोड़ते हुए आदिवासी संकट बनाने की बात की गई है। वर्ती, लव व लैड जिहाद के खिलाफ कानून बनाने का संकल्प भी भाजपा ने दोहराया है।



रांची के एक होटल में रविवार को भाजपा का संकल्प पत्र जारी करते केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह, प्रदेश प्रभारी लक्ष्मीकांत वाजपेयी, चुनाव सह प्रभारी हिमंता विरास रमा, प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और अन्य नेता।

1 संताल परगना

- देवधर, दुमका, जामुड़ा, साहिवंग, पाकुड़ और गोड़ा को जोड़ते हुए भगवानी संकट स्थापित करने, बाबा वैद्यनाथ एवं वासुकीनाथ तीर्थों को जोड़ने और आदिवासी नावकों के स्मारक स्मृतियों को जोड़ते हुए आदिवासी संकट बनाने की बात की गई है। वर्ती, लव व लैड जिहाद के खिलाफ कानून बनाने का संकल्प भी भाजपा ने दोहराया है।

2 उत्तरीछोटानगपुर

- हजारीबाग में नौलेज सिटी की स्थापना
- लोहा, कोलाल, एत्तूनियम, माइका एवं सिंहिका कोडिंग छोटे ओपोनिक इकाइयों की सहायता।
- बोकरो हवाई अड्डा चालू करने का संकल्प
- साहिवंग में गंगा नदी पर पुल, मटोडोल पोट की निर्माण।

3 दक्षिणीछोटानगपुर

- वासियादान को बढ़ावा देने के लिए वन आयारित समुदायों एवं लघु वन उपज के संग्रहणकार्यों का सञ्चालिकरण।
- समर्पित खरीद के स्थापित कर स्थानीय मूल्य शुल्कों का संकल्प
- तुपुवान से कुंडीबाटोली खंड वार लेन सड़क का निर्माण व बेड़े-युंडी रोड का बौद्धिकण।
- एचडीसी कार्मियों के लिविं वेन के मुद्रे का हल

4 कोल्हानप्रमंडल

- सिंहभूम कॉपर बेल्ट का विकास
- राज्य सरकार की परीक्षाओं में आदिवासी व भूमिज भाषाओं को शामिल करना।
- फूलों की खेती व वनवानी बढ़ावा देने के लिए सुरक्षित आंकोड़ों की निर्माण।

5 पलामूप्रमंडल

- बंद जपल कांगनी के स्थान पर नई ओपोनिक इकाई स्थापित करना। घूर्ण कर्मसूलों का बाकाये विवाद का निपटान।
- भवानगुप्त में रेल घार पालन की स्थापना।
- मंडल डैम के निर्माण में तेजी, मंडल डैम विकास प्राविकरण की स्थापना।
- फूलों की खेती व वनवानी बढ़ावा देने के लिए सुरक्षित आंकोड़ों की पुनर्स्थापना।

जानिए किस समूह के लिए संकल्प पत्र में क्या

महिला

- गोमो दीदी योजना के तहत हर माह 11 तारीख को 2100 रुपये बैंक खाते में देना।
- मानव तकरी रोकने के लिए ऑपरेशन सुरक्षा। बाबा एवं पुनर्वास के लिए एंटी ट्रैफिंग हल्टलाइन की लाइग एवं विशेष सहायता व पुनर्वास कोष का गठन।
- 50 लाख की संपत्ति की रिजिस्ट्री एक रुपये में।
- लक्ष्मी लाडली योजना के तहत बालिका के जन्म पर 1.75 लाख का आश्वासन प्रमाण पत्र।
- 2030 तक 15 लाख लक्षणीय दीदी बनाने का लक्ष्य। महिला स्ट्रेंगर सहायता समूहों के जरिए ऋण व सलिली।
- महिला स्नान धरों का निर्माण।

युवा

- पांच साल में पांच लाख स्वरोजगार, 3 लाख सरकारी पदों पर नियुक्ति। एहली कैबिनेट में एक साल के भीतर 1.50 लाख पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पूरी करने का संकल्प।
- हर साल एक लाख युवाओं को खरोजगार के लिए स्टान्कोटर को दो साल तक 2000 रुपये का युवा साथी भरत।
- बीएन, नर्सिंग एवं अन्य व्यवसायिक पाठ्यक्रम के लिए सरकारी संस्थानों में शूरू किया जानी जीवन योजना शुरू होगी।
- प्रत्येक पांचायत में घुरुकुड़िया जैसी पारंपरिक व्यवस्था, पारंपरिक व्यवस्था के लिए प्रमुख 3000 रुपये की समर्थन राशि।
- जैपीएससी, जेपएसएसी सीजीएल और पैरपलीक मेला को बढ़ावा देना।

आदिवासी

- पेसा को सशक्त बनाने का दावा।
- हर आदिवासी लोक्य में नौलेज सिटी के भीतर 1.50 लाख पदों पर भर्ती की प्रक्रिया पूरी करने का संकल्प।
- दर्शक एवं स्नातकोत्तरों को विविध कार्यक्रमों के लिए विशेष समिति का गठन।
- आदिवासी जनजाति समाज को आवास, दूधाल एवं मछली पकड़ने की लायिका व तिलका माझी उत्तरान योजना शुरू होगी।
- प्रत्येक पांचायत में घुरुकुड़िया जैसी पारंपरिक व्यवस्था, पारंपरिक व्यवस्था के लिए प्रमुख 3000 रुपये की समर्थन राशि।
- पारंपरिक मेला को बढ़ावा देना।

किसान

- कृषि सु-नीति के तहत धान खरीद की रक्त 3100 प्रति विवरण एवं खरीदारों के तरफ से पांच लाख की अतिरिक्त सहायता।
- कृषि आशीर्वाद योजना फिर से लागू होगी।
- 2030 तक राज्य में स्थिरीकृत तीनगुना तक तालाको निर्माण।
- प्रशान्तमंडी के सल बीमा योजना के तहत श्रीत्रिय सहायता के लिए विशेष समिति का गठन।
- दर्शक एवं स्नातकोत्तरों के लिए विशेष समिति का गठन।
- दर्शक एवं स्नातकोत्तरों के लिए विशेष समिति का गठन।
- दर्शक एवं स्नातकोत्तरों के लिए विशेष समिति का गठन।
- आदिवासी बहुल जिलों में पांच मोबाइल मेडिकल यूनिट राज्यभर में 25000 नर्स बैड की सुविधा।
- आदिवासी बहुल जिलों में पांच मोबाइल मेडिकल यूनिट। राज्यभर में 15 डॉक्टरों की डॉक्टरों की स्थापना।
- हर जिले में पांच लैटिनिक डॉक्टरों की डॉक्टरों की स्थापना।
- एस्प की तर्ज पर जैआईएमएस एवं आईआईटी की तर्ज पर जैआईटी।

स्वास्थ्य

- आयुष्मान भारत के तहत धान खरीद की रक्त 3100 प्रति विवरण एवं खरीदारों के तरफ से पांच लाख की अतिरिक्त सहायता।
- 10 नए मेडिकल कॉलेज की स्थापना। प्रत्येक जिले में नर्सिंग कॉलेज। 4589 सरकारी अस्पतालों का आधिकारिकरण, 400 नई एंडुलेस सेवा।
- सरकारी स्कूलों के लिए 1000 कॉलेज के फैसले।
- राज्यभर में 15 स्पर्मिंट महिला कॉलेज सहित 50 नई डिप्लोमा सेवा।
- सीएससी, पीएससी में 25000 नर्स बैड की सुविधा।
- हर जिले में पांच लैटिनिक डॉक्टरों की स्थापना।
- आदिवासी बहुल जिलों में पांच मोबाइल मेडिकल यूनिट। राज्यभर में 15 डॉक्टरों की स्थापना।
- एस्प की तर्ज पर जैआईएमएस एवं आईआईटी की स्थापना।

शिक्षा

- 100 दिनों के भीतर राष्ट्रीय शिक्षा नीति को पांच लाख करने का संकल्प।
- एक लाख निवासिकों के पांच पर बहाली। फूलों ज्ञान योजना के तहत गरीब एवं पिछड़े वर्ग के बच्चियों को केंजी से पीड़ी की मुक्त शिक्षा।
- सरकारी स्कूलों के लिए 1000 कॉलेज के फैसले।
- राज्यभर में 15 स्पर्मिंट महिला कॉलेज सहित 50 नई डिप्लोमा सेवा।
- हर जिले में पांच लैटिनिक डॉक्टरों की स्थापना।
- आदिवासी बहुल जिलों में पांच मोबाइल मेडिकल यूनिट। राज्यभर में 15 डॉक्टरों की स्थापना।
- एस्प की तर्ज पर जैआईएमएस एवं आईआईटी की स्थापना।

पिछले संकल्प पत्र के कई वादों को भाजपा ने दोहराया

विश्लेषण

रांची, हिन्दुस्तान ब्लूरो। भाजपा ने साल 2019 के चुनाव में जीती संकल्प पत्र के कई वादों को दोहराया है। वर्ती, एवं विजय भी अपने संकल्प में जोड़े हुए 2019 के घोषणा 2019 में की गई थी।

भाजपा ने वार्षिक ग्राही वर्ष के लिए विविध वादों को दोहराया है।

भाजपा ने वार्षिक ग्राही वर्ष के लिए विविध वादों को दोहराया है।

भाजपा ने वार्षिक ग्राही वर्ष के लिए विविध वादों को दोहराया है।

भाजपा ने वार्षिक ग्राही वर्ष के लिए विविध वादों को दोहराया है।

भाजपा ने वार्षिक ग्राही वर्ष के लिए विविध वादों को दोहराया है।

भाजपा ने वार्षिक ग्राही वर्ष के लिए विविध वादों को दोहराया है।

भाजपा ने वार्षिक ग्राही वर्ष के लिए विविध वादों को दोहराया है।

भाजपा ने वार्षिक ग्राही वर्ष के लिए विविध वादों को दोहराया है।

भाजपा ने वार्षिक ग्राही वर्ष के लिए विविध वादों को दोहराया है।

रंगारंग कार्यक्रम के साथ मारवाड़ी सम्मेलन का मना दीवाली मिलन

राजस्थानी लोकगीत, नृत्य व लोगों का मनमोहा, हौजी एवं अन्य खेलों का आयोजन

समारोह



कार्यक्रम का उद्घाटन करते मारवाड़ी सम्मेलन झरिया के अध्यक्ष व समाज के लोग।

दीपावली की बधाई दी। समाज के नहें मूँहे बच्चे-बच्चियों ने सस्कृतिक कार्यक्रम के माध्यम से राजस्थानी लोकगीत, नृत्य प्रस्तुत करने मानद उठाया। यहाँ बूजूंडों का पैर छुकर आशीर्वाद दिया। वहाँ एक टूसरे को

आसपास 30s



बलियापुर के कोनारटांड में रविवार को बरदखूटा का आनंद लेते लोग।

कोनारटांड में बरदखूटा पर उमड़ी भीड़
बलियापुर। कोनारटांड गांव में रविवार को बरदखूटा कार्यक्रम को लेकर दर्शकों की भीड़ उड़ गई। भीड़ पर पूर्व विद्यायक आनंद महतों के पुत्र और बूद्धेन्द्र महतों, इमामों नेता महावीर महतों, हीरू चरण महतों, निर्मल महतों, विद्याधर महतों, युधिष्ठिर महतों आदि थे।

टुंडी में कायरस्थों ने की अपने आराध्य देवकी पूजा
टुंडी में कायरस्थ के लोगों ने कोलाहल पंचायत के लाला टोला गांव स्थित शिव मंदिर प्राणं व चित्रगुप्त महापरिवार लाला टोला टुंडी के बैनरतले अपने आराध्य देव चित्रगुप्त महाराज की प्रतिमा स्थापित कर धूमधार के साथ लगाया गया। क्षेत्र के कई गांवान्य लोगों ने गोवर्धन पूजाही पूर्व कर भगवान श्री कृष्ण की पूजा अर्चना की। कायरक्रम में टुंडी विद्यायक मथुरा महतों, कांग्रेस नेता जलेश्वर महतों, वादव महाप्रसाद को जलाअंशु आदि एवं प्रात्याशी रोहित वादव, जेमप्रसाद नेता काल वादव, भाजपा प्रत्याशी शश वादव, जोगेंद्र वादव, समेत कई लोगों ने कायरक्रम में शिरकत किया।

मैथन में की भगवान चित्रगुप्त की पूजा
मैथन। मैथन हिन्दी साहित्य प्रस्तुति के अध्यक्ष व रविवार को चित्रगुप्त पूजा धूमधार के साथ मानाई गई। चित्रगुप्त समाज के लोगों ने बढ़-दृढ़कर हिस्सों के बीच रात रहे। उनके निवान पर पूर्व विद्यायक अरुप चट्टों की पल्ली अनंदिता वज्रों का मंदिर पहुंचकर माथा टेका और समाज के सम्प्रस्तुत कर उठाकर आशीर्वाद दिया। कायरक्रम में मीठे सिन्हा, तुवार रंजन, प्रणव शरण, अमन सिन्हा, अकित सिन्हा, आयुष सिन्हा, प्रत्यूष सिन्हा, अभिनव शरण आदि थे।

सिंदीरी में की गई भगवान चित्रगुप्त की पूजा
सिंदीरी। सिंदीरी चित्रगुप्त मंदिर में रविवार को श्री चित्रगुप्त महाराज की पूजा धूमधार से की गई। इसमें कापी सिंहा भूमि पर चित्रगुप्त महापरिवार समिति के लोगों ने भगवान की पूजा अर्चना की गयी। चित्रगुप्त महाराज के लाला टोला गांव स्थित शिव मंदिर एवं प्रस्तुति के बीच रात रहे। उनके निवान पर पूर्व विद्यायक अरुप चट्टों की पल्ली अनंदिता वज्रों का मंदिर पहुंचकर माथा टेका और समाज के सम्प्रस्तुत कर उठाकर आशीर्वाद दिया। कायरक्रम में मीठे सिन्हा, तुवार रंजन, प्रणव शरण, अमन सिन्हा, अकित सिन्हा, आयुष सिन्हा, प्रत्यूष सिन्हा, अभिनव शरण आदि थे।

मुईफोड़ मंदिर की पूर्व संचालिका का निधन
मुईफोड़। धनबाद रोड स्थित भूमिकृष्ण मंदिर की पूर्व संचालिका मालत्याणी (90 वर्ष) का निधन रविवार को श्री रात्रेश्वर के रातरेश्वरोंका मृत्युन्योग संस्थान के लाला टोला गांव स्थित शिव मंदिर के अंदर हो गया। अमृत के संस्थान के लाला टोला गांव स्थित शिव मंदिर के अंदर हो गया। इसके पूर्व से ही वह मंदिर संचालन में संवर्धन महाराज का साथ देती थी। वह मंदिर के अंदर हो गया। उदान रेट ड्रॉइंग सोसाइटी के अंतराल जाति देवी पूजा आदि कर रही थी। भीड़ पर विहंगम योगं के प्रदर्शन संयोजक पापू शिंह, ललेश कुमार सिंह, रविंद्र अंवद, आर वी कुमार, जीपी सिंह, अमरेंद्र कुमार सिंह आदि थे।

राजस्थानी के अवसर पर विशेष लाभ बाबा फोड़ खान बंगाली
घर बैठे सभी समाजान्
स्पैशलिस्ट : लवमेटिंग, मनचाहा प्यार, गृहवलेश, शादी, नौकरी, कालोवार, जावा, अंवद, पर्शी, पनी अंवद, सौतन, दुर्मन छुटकारा, प्यार में धोखा। सभी जगह से निरास कोन करें। 8929000445

हिन्दुस्तान क्लासीफाइड
दिल्ली के लिए सुरक्षा लाभ
बाबा फोड़ खान बंगाली
8677049348, 9825019928,
9304240049

● व्यापार ● ज्योतिष

दीपावली के अवसर पर विशेष लाभ
बाबा फोड़ खान बंगाली

स्पैशलिस्ट : लवमेटिंग, मनचाहा प्यार,

गृहवलेश, शादी, नौकरी, कालोवार, जावा, अंवद, पर्शी, पनी अंवद, सौतन,

दुर्मन छुटकारा, प्यार में धोखा। सभी जगह से निरास कोन करें। 8929000445

● व्यापार ● ज्योतिष

दीपावली के अवसर पर विशेष लाभ
बाबा फोड़ खान बंगाली

स्पैशलिस्ट : लवमेटिंग, मनचाहा प्यार,

गृहवलेश, शादी, नौकरी, कालोवार, जावा, अंवद, पर्शी, पनी अंवद, सौतन,

दुर्मन छुटकारा, प्यार में धोखा। सभी जगह से निरास कोन करें। 8929000445

● व्यापार ● ज्योतिष

दीपावली के अवसर पर विशेष लाभ
बाबा फोड़ खान बंगाली

स्पैशलिस्ट : लवमेटिंग, मनचाहा प्यार,

गृहवलेश, शादी, नौकरी, कालोवार, जावा, अंवद, पर्शी, पनी अंवद, सौतन,

दुर्मन छुटकारा, प्यार में धोखा। सभी जगह से निरास कोन करें। 8929000445

● व्यापार ● ज्योतिष

दीपावली के अवसर पर विशेष लाभ
बाबा फोड़ खान बंगाली

स्पैशलिस्ट : लवमेटिंग, मनचाहा प्यार,

गृहवलेश, शादी, नौकरी, कालोवार, जावा, अंवद, पर्शी, पनी अंवद, सौतन,

दुर्मन छुटकारा, प्यार में धोखा। सभी जगह से निरास कोन करें। 8929000445

● व्यापार ● ज्योतिष

दीपावली के अवसर पर विशेष लाभ
बाबा फोड़ खान बंगाली

स्पैशलिस्ट : लवमेटिंग, मनचाहा प्यार,

गृहवलेश, शादी, नौकरी, कालोवार, जावा, अंवद, पर्शी, पनी अंवद, सौतन,

दुर्मन छुटकारा, प्यार में धोखा। सभी जगह से निरास कोन करें। 8929000445

● व्यापार ● ज्योतिष

दीपावली के अवसर पर विशेष लाभ
बाबा फोड़ खान बंगाली

स्पैशलिस्ट : लवमेटिंग, मनचाहा प्यार,

गृहवलेश, शादी, नौकरी, कालोवार, जावा, अंवद, पर्शी, पनी अंवद, सौतन,

दुर्मन छुटकारा, प्यार में धोखा। सभी जगह से निरास कोन करें। 8929000445

● व्यापार ● ज्योतिष

दीपावली के अवसर पर विशेष लाभ
बाबा फोड़ खान बंगाली

स्पैशलिस्ट : लवमेटिंग, मनचाहा प्यार,

गृहवलेश, शादी, नौकरी, कालोवार, जावा, अंवद, पर्शी, पनी अंवद, सौतन,

दुर्मन छुटकारा, प्यार में धोखा। सभी जगह से निरास कोन करें। 8929000445

● व्यापार ● ज्योतिष

दीपावली के अवसर पर विशेष लाभ
बाबा फोड़ खान बंगाली

स्पैशलिस्ट : लवमेटिंग, मनचाहा प्यार,

गृहवलेश, शादी, नौकरी, कालोवार, जावा, अंवद, पर्शी, पनी अंवद, सौतन,

दुर्मन छुटकारा, प्यार में धोखा। सभी जगह से निरास कोन करें। 8929000445

● व्यापार ● ज्योतिष

दीपावली के अवसर पर विशेष लाभ
बाबा फोड़ खान बंगाली

स्पैशलिस्ट : लवमेटिंग, मनचाहा प्यार,

गृहवलेश, शादी, नौकरी, कालोवार, जावा, अंवद, पर्शी, पनी अंवद, सौतन,

दुर्मन छुटकारा, प्यार में धोखा। सभी जगह से निरास कोन करें। 8929000445

● व्यापार ● ज्योतिष

दीपावली के अवसर पर विशेष लाभ
बाबा फोड़ खान बंगाली

स्पैशलिस्ट : लवमेटिंग, मनचाहा प्यार,

गृहवलेश, शादी, नौकरी, कालोवार, जावा, अंवद, पर्शी, पनी अंवद, सौतन,

दुर्मन छुटकारा, प्यार में धोखा। सभी जगह से निरास कोन करें। 892900044

7279 विशेष शिक्षकों की बहाली प्रक्रिया शीघ्र

सामान्यप्रशासनविभागबीपीएससीकोभेजेगानियुक्तकीअधियाचना

अवसर



5534 शिक्षक कक्षा एक से पांच वाले विद्यालयों में होंगे बहाल

1745 विशेष शिक्षक कक्षा छह से आठ वाले स्कूलों में भर्ती होंगे

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। राज्य के प्रारंभिक (कक्षाएँ क्षेत्र से अतः) स्कूलों में विशेष शिक्षकों की नियुक्ति के लिए शीघ्र ही विज्ञापन जारी होगा। इसको लेकर शिक्षा विभाग ने सारी तैयारी कर सामान्य प्रशासन को जिला और आरक्षणवार रिक्त भेज दी है। सामान्य प्रशासन विभाग के सामान्य से नियुक्ति की अधियाचना बिहार लोक सेवा आयोग (बीपीएससी) को भेजी जाएगी। इसके बाद बीपीएससी योग्य अधिक्यों से नियुक्ति को लेकर आवेदन अमंत्रित करेगा।

मालूम हो पहली बार राज्य के उद्घाटन जिलों में विशेष जलरूप वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए इन शिक्षकों की स्थायी पदों पर नियुक्ति की जा रही है। दिव्यांग और विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए इन शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। उन्होंने अधिकारी संस्कृत के कारण जिलों को लिए इन शिक्षकों की नियुक्ति के लिए आवेदन दिया। आवेदन करने के लिए इन शिक्षकों की नियुक्ति के लिए पूर्व में ही शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित हुई थी। इस पात्रता परीक्षा में उत्तीर्ण अर्थात् ही इन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन कर कर सके। ये शिक्षक विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने में पूरी तरह से दक्ष होंगे।

कुल नौ तरह की विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को पढ़ाने के लिए इन शिक्षकों की नियुक्ति की जा रही है। जो बच्चे देख नहीं पाते हैं, अथवा दृष्टिकोण है, उनसे कितने अलग-अलग विशेष शिक्षक होंगे। विभाग के प्राधिकारी बताते हैं कि वर्तमान में स्कूलों में ऐसे बच्चों को पढ़ाने की सुविधा नहीं है। इनके लिए जिला स्तर पर विशेष व्यवस्था की जाती रही है।

81% शिक्षक पाठ की योजना बनाकर बच्चों को पढ़ाते हैं

सर्वेक्षण में निकलकर ये बातें आई सामने

■ शिक्षक प्रशिक्षण में शिक्षण प्राचीओं पर सकारात्मक प्रभाव डाला है

■ कक्षा में बच्चों के साथ संवाद करने पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ा है

■ सुधार के लिए कई तरह के कांडबक मिले हैं

थे। राज्यभर के 38 जिले के 537 प्रखंडों के स्कूलों के करीब 1.5 लाख शिक्षकों पर विशेष व्यवस्था का अवलोकन किया गया शिक्षकों को सतत व्यावसायिक विकास (सीपीआर) के तहत छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण संचालित है। प्रशिक्षण प्रातः शिक्षकों को प्रशिक्षण के दौरान कक्षा में पढ़ाने के लिए सर्वेक्षण में विशेष व्यवस्था की जाएगी। इसमें विशेष व्यवस्था की जाएगी। यह चुनाव की रोटी, बेटी और भूमि की रसा के लिए घुसपैठ को रोकने का चुनाव है।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर रविवार को गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। साथ में मोजदूर पूर्व विधान पार्श्व रणनीत नंदन व अन्य। ● हिन्दुस्तान



चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर रविवार को पटना के गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी में भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। साथ में मोजदूर पूर्व विधान पार्श्व रणनीत नंदन व अन्य। ● हिन्दुस्तान

सीएमने की भगवान चित्रगुप्त की पूजा

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर रविवार को गर्दनीबाग ठाकुरबाड़ी जाकर भगवान चित्रगुप्त की पूजा-अर्चना की।

उन्होंने राज्य के विकास, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

■ राज्य की सुख-शांति, विकास, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की करने आते हैं। इसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जिला राज्य के विकास, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की पूजा-अर्चना की।

अध्यक्ष पूर्व विधान पार्श्व डॉ रणवीर नंदन ने किया। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशंसा की ओर जिला राज्य के विकास, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की पूजा-अर्चना की।

उन्होंने राज्य के विकास, खुशहाली एवं समृद्धि की कामना की पूजा-अर्चना की।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

■ गोपालगंज में एनएच पर हुआ हादसा, ट्रक से लौट रहे थे सभी

■ सीएमने रात्र छोटे पर ध्वनि देकर ट्रक को पैंप पर ले जा रहे थे

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चित्रगुप्त पूजा के अवसर पर जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व संसद अधिकारी संसदी, मेयर सीता साहु आदि मोजदूर थे।

पटना, हिन्दुस्तान ब्लूरो। मुख

चीनी अंतरिक्ष केंद्र

अंतरिक्ष विज्ञान में चीन की तेजी गौर करने लायक है। चीन ने अंतरिक्ष में न केवल अपना एक अंतरिक्ष केंद्र बना लिया है, बल्कि अनुमान यहाँ तक लगाया जा रहा है कि अपने बाले समय में चीनी केंद्र ही अनुसंधान का मुख्य केंद्र हो जाएगा। अभी अमेरिका के नेतृत्व में अपने देशों का मिला-जुला केंद्र अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) अनुसंधान के केंद्र में रहा है। माना जा रहा है कि 2030 के दशक में इस केंद्र का परिचालन पूरा हो जाएगा। तब तक अगर अमेरिका ने अपना नया केंद्र स्थापित नहीं किया, तो चीन का तियांगोंग ही मुख्य केंद्र बन जाएगा। ध्यान देने की बात यह है कि चीन दुनिया का अकेला देश है, जिसके पास अपना अंतरिक्ष केंद्र है। इस केंद्र के विस्तार में वह लगातार जुटा हुआ है। यह उसकी मजबूरी भी है, क्योंकि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन से उसे एक तरह से अलग ही कर दिया गया है। चीनी विज्ञान पर दुनिया के अनेक देशों को विश्वास नहीं है, पर सच यह है कि वह अंतरिक्ष विज्ञान में इन्हाँ पारंगत हो चुका है कि अमेरिका को अपदस्थ करने के बारे में सोच पा रहा है।

ध्यान रहे, तियांगोंग अंतरिक्ष स्टेशन लगभग दो वर्षों से चालू है, जबकि अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन को काम करते 15 साल का समय बीत गया है। बहरहाल, चीन के लिए यह एक खुशखबरी है कि 30 अक्टूबर को उसने जो शेनझोउ-19 मिशन लॉन्च किया है, उसमें देश की पहली महिला अंतरिक्ष इंजीनियर सहित तीन अंतरिक्ष यात्रियों को पूर्वी की निचली कक्षा में तियांगोंग के संचालन को छोड़ दुरुस्त करने के लिए भेजा गया है। हरके छड़ महीने तक ये अंतरिक्ष यात्री बहाँ होंगे।

अपने अंतरिक्ष स्टेशन पर चीन विविध प्रकार के प्रयोग करेगा, ताकि वहाँ उसके यात्री आसानी से समय का सुधूयोग कर सकें। एक अंतरिक्ष स्टेशन को रहने योग्य बनाना आसान नहीं होता है, पर जिस गति से तियांगों को चीन ने सक्षम बनाया है, उसकी प्रशंसा होनी चाहिए। दरअसल, चीन विज्ञान में बढ़त के महत्व को समझता है। चीन का एक देश के लिए विज्ञान में दुनिया के शैक्षिकीय उम्रते हुए देश अगर एक-दूसरे के विश्वास को जीतते हुए आगे बढ़े, तो यह सभी देशों के लिए अच्छा होगा।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया में सबसे ज्यादा निवेश एआई में ही हो रहा है। गृहण, माइक्रोसॉफ्ट और मेटा प्लेटफॉर्म जैसी दुनिया को धुरंधर कंपनियां तो एआई में खर्चों डॉलर का निवेश कर ही रही हैं, बैंगलुरु, गुडगांग और नोएडा में आपको हजारों ऐसे स्टार्टअप मिल जाएंगे, जो एआई की बहती धारा से ही उमीद बांधे हुए हैं। कहा जा रहा है कि एआई तकनीक दुनिया के पूरे योगार परिदृश्य को बदल डालेगी। इसे लेकर उमीद अगर असमान पर है, तो आशंकाएं भी उसे कुछ कम नहीं हैं। इसका एक अर्थ यह ही है कि यथार्थ के धरातल पर कोई नहीं है।

ये हालात बहुत से विश्लेषकों को चिंता की लकड़ी से छिपी नहीं है कि 1980 के दशक में जब अमेरिका ने चीन को तकनीकी मदद देने की शुरूआत की, तब चीन ने जोके को दोनों हाथों से स्वीकार किया। आज चीन की तरकीबी देख स्वयं अमेरिका चिंतित है।

वैसे, अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्वयंग के प्रतीक आईएसएस के सेवा मुक्त होने के बाद एलन मस्क के स्पेसएक्स द्वारा विकसित अगली पीढ़ी के ड्रैगन अंतरिक्ष यान की भी चाही है। कोई दोराय नहीं कि अंतरिक्ष स्टेशन के अनेक विकल्प होने चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वह कम से कम अपने मित्र देशों के लिए तो अपने केंद्र को खोल ही सकता है। ध्यान रहे, चीन और रूस दोनों इन दिनों परम मित्र हैं और अपने अंतरिक्ष स्टेशन के लिए यान की भी चाही है। एक-दोराय नहीं कि अंतरिक्ष के लिए यान की भी चाही है। वह कम से कम अपने मित्र देशों के लिए तो अपने केंद्र को खोल ही सकता है। ध्यान रहे, चीन और रूस दोनों ने समझा आपको जीतते हुए चाहिए। वास्तव में, दुनिया के शक्तिशाली देश अगर एक-दूसरे के विश्वास को जीतते हुए अपे बढ़े, तो यह ज्यादा अच्छा है। विश्वास जीतने की कोशिश चीन को ज्यादा ईमानदारी से करनी चाहिए।

है। वह जानता है कि दुनिया में महाशक्ति बनने के लिए विज्ञान में महारत हासिल होना आवश्यक है। कोई आश्चर्य नहीं, अंतरिक्ष विज्ञान में जिस गति से अमेरिका के लिए चुनौतियां बढ़ रही हैं, उससे भी अधिक गति से चीन के लिए चीज़े जो रही हैं। चीन ने इस कारों को कैसे देख सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष केंद्र को खोल ही सकता है।

तीनी घटना है कि इस समय दुनिया के लिए विज्ञान में दो बड़े घटनाएँ हो रही हैं। उसके बाद एक अंतरिक्ष केंद्र को दूसरों के लिए खोलना चाहिए। वैसे, चीन को भी अपने अंतरिक्ष क

आहिस्ता चलकर मिलेगी मंजिल

पीछे छूट जाने का डर हमें बेचैन बनाए रखता है। कई बार तो हम बस एक काम से दूसरे काम, एक इच्छा से दूसरी इच्छा को पूरा करने की ही दौड़ लगाते रह जाते हैं। और यह भूल जाते हैं कि लंबी दौड़ धीमी रफ्तार से ही पूरी की जा सकती है। बात चाहतों को कम करने की नहीं है, बस हमें इस तरह आगे बढ़ते रहना है कि हम ऊबड़-खाबड़ रास्तों में भी अपना संतुलन बनाए रख सकें।

खूबसूरत जिंदगी



मैं सब कुछ बहुत अच्छा करने के प्रयास में इतना उत्तम गई कि जाने कब मेरी रफ्तार तेज होने लगी। और फिर एक दिन आया, जब मुझे थोड़ा थम कर अपनी वास्तविकता और निर्णयों का अलालोकन करना जरूरी लगा।

मेरी रफ्तार तेज होने के बाद मुझे मार रही थी।

लेकिन अपनी स्पैन वात्रा के बाद मेरी दुखधार्ष दूर हो गई और मैंने अपने अंदर बढ़ते आत्मविवाह का अनुभव किया। मेरे अंतर्मन से आवाज आई कि बस अब रुक जाओ।

वैसे यह सच भी है कि मेरा काम मुझे पायागल कर रहा था।

अंधाधुंध ऐसा करने के बावजूद भी मेरे मन में शांति नहीं थी। लेकिन, आज जब मैं पीछे मुड़कर देखती हूं तो उन दिनों का धन्यवाद करती हूं वैसोंकि मेरे उस समय ने ही मुझे अपने सच के साथ शांति से जीना सिखाया।

जब आप किसी स्थिति में उलझे होते हैं, तब कोई जीवन की बात समझ नहीं आती, व्यांगी कि तब आप सिर्फ़ सुकून भरी सांस लेने के बारे में सोचते हैं।

'क्या आप मालिक हैं?' मेरे छोटे से रेतरां में एक ग्राहक ने जब मुझसे यह पूछा तो मैंने मुझकरते हुए कहा, 'नहीं, मैं जीने की शुरुआत की।'

यह सच भी है कि व्यांगीक पचास साल की उम्र में किसी कॉलेज जीवनवाले युवा की तरह फुर्तीली नहीं है। असल में, मैं अपने रेतरां की सबसे उम्रदराज कमचारी हूं। पिछले तीन सालों से मैं इस रेतरां को चला रही हूं और यह मेरी तीन साल पहले को जिंदगी से बिल्कुल स्पैशरी है।

बांदे सोलह सालों से मैं अपने पिता के साथ एक वित्त कंपनी चला रही थी और सब कुछ बढ़िया चल रहा था।

पैतलीस साल की उम्र में मैं पास शनिवार कियरी और खुबसूरत परिवार था। यों कहिए कि सब जरूरत से ज्यादा अच्छा था।

अपने बनाए जीवन को देखकर मैं खुद ही बहुत ज्यादा भावुक हो गई।



कीमती हैं आपके सपने

सपनों के बिना हमारा कोई अस्तित्व नहीं है। इसलिए आपने सपनों की इह महिमा को समझा। आपका जन्म इस दुनिया में आकर सिर्फ़ बेटहाना भाग्यने के लिए नहीं हुआ है। ज्यादातर लोगों को अपने सपने पहचानने में परेशानी होती है, योंकि उन्हें अपने सपनों अत्यावाहिक लगते हैं। उन सपनों को साकार करने के लिए हास्ते की जरूरत होती है। अपने सपनों को मूर्त रूप देने के लिए समय की आवश्यकता होती है। दुखी की बात यह भी है कि ज्यादातर लोग दिखते हैं, लेकिन वास्तव में जीने की अनुभव करते हैं। इस हिसाब से सपने देखा जाईसीवाला काम है। हमारे पास मानव की किसी भुजाने, बड़ों की, अपनों की देखभाल करते हैं। ज्यादा जरूरी काम होते हैं। तो प्रश्न उठता है कि क्या हम वास्तव में जीदा हैं?

क्या है वास्तविक खुशी

अकसर लोग सोचते हैं कि शानदार नौकरी खुनने के बाद उनके जीवन में शांति और ठहरव आ गया है, लेकिन होता इससे विपरीत है। योंदूं में अपने पिछले काम से ही जुड़ी होती तो अभी तक शाश्वत मर चुकी होती। आपको यह अजीब लग सकता है लेकिन मैं बहुत ज्यादा तनावधारन करता हूं। लेकिन मेरे सपनों ने मुझे अहसास दिलाया कि खुश रहने के लिए मुझे कुछ और करना पड़ता है। इसलिए मैंने अपने मन को बात सुनी और धीर-धीरे सारे दबाव खत्म होने लगे। रफतार कीमती करके ही मुझे यीजें स्पष्ट दिखाई दीं।

हालांकि, अपने सपनों के पीछे जीवन बेहद झल्लाहट पाया और बात देखेगाला काम है।

सपने साकार करने के दौरान बहुत से उत्तर-चाहाव देखने पड़ते हैं।

लेकिन, मुझे यह भी पता है कि यदि मेरे सपने इनमें जाना महत्व रखते हैं तो आपको भी सच्ची खुशी अपने सपनों को साकार करके ही मिलेगी।

रफतार पर नियंत्रण है जरूरी

इसे थोड़ा समझना होगा। योंकि हमें अपनी गति को कम करना है, पर आगे भी बढ़ते रहना है। जैसे, यदि हम रोजाना कुछ देर करते हैं, तो हम बहुत लोगों दिखाने के लिए तनाव करते हैं। लेकिन मेरे सपनों ने मुझे अहसास दिलाया कि खुश रहने के लिए उत्तरवाहिक लगता है। इसलिए मैंने अपने मन को बात सुनी और धीर-धीरे सारे दबाव खत्म होने लगे। रफतार कीमती करके ही मुझे यीजें स्पष्ट दिखाई दीं।

जब नानाव कम होता है तो हम बिना प्रयास की ही बेतर महसूस करने लगते हैं। जब भी मन उत्साही हो, तानाव ही या कोई उलझन तो सैर पर निकल जाएं। मैं ये नहीं कह सकता हूं कि तानाव उत्साह करने के लिए काम करना छोड़ दें, बस अपनी रफतार पर काबू रखने का प्रयास करें।

सोशल मीडिया से प्रसन्नता



वैवाहिक जीवन पर आधारित एक सत्र में बक्ता ने एक महिला से पूछा, 'क्या आपके पति आपको खुश रखते हैं?' पति को यकीन था कि पत्नी का जवाब ही होगा। दोनों ने प्रेम व आपसी समझदारी का फीचर अच्छी थी। पत्नी ने भी कभी कोई शिकायत भी नहीं की थी।

महिला ने गंभीर आवाज में जवाब दिया, 'नहीं, मेरे पति मुझे प्रसन्न नहीं रखते।' यह भी हो गया। दोनों ने प्रेम व आपसी समझदारी का फैसला करना होगा, जो जीवन में कुछ भी हो। मेरे पास साड़ियां ज्यादा ही या कम, पर मैं खुश हूं। चाहे मेरे पास बहुत पैसा हो या नहीं, पर मैं खुश हूं। चाहे मेरे पास बहुत देखियाँ हों, पर मैं खुश हूं। मैं शारीरिक लाभ के लिए खुश हूं, पर मैं खुश हूं। मैं शारीरिक लाभ के लिए खुश हूं। जब प्रसन्न रहने का दायित्व में अपने आप पाली होती है, तब मैं दूसरों के कंधे से अपनी देखभाल करने का बोझ हल्का करती हूं। यह सच मेरे पास रेतार से अपनी देखभाल करने का बोझ हल्का करती हूं। आपको इसका जीवन में आसान बनाती है। यही कारण है, हम सफल और प्रसन्नता का गियर अपने हाथ में रखें।

आपको तभी कोई व्याप क सम्मान देगा, जब आप स्वयं आपको महत्व देंगे। स्वयं को जानें, स्वयं को महत्व देंगे।

विविध

यों बढ़ाएं रिश्तों की चमक

रोजमरी की छोटी-छोटी कई बातें, हमारे रिश्तों में चमक ला सकती हैं। इनकी दृश्यता से अपनी

1. कई बार शब्दों से ज्यादा टोन का असर पड़ता है। हमेशा सपाट, व्यांगीक लाभ के लिए उपेक्षाकृ टोन गहरी झुंझलाहट व भासानात्मक दूरी का संकेत है। थीमी गति से कम आवाज में बातचींक करना अपनी सहजताका बोतात है।

2. शोध कहते हैं रिश्तों में सब्दों के अलावा शरीर के कई दूसरे संकेत भी मायने रखते हैं। बार-बार एक-दूसरे को देखते हुए बात करना, गले लगाना, सहज स्पष्ट करना व ध्यान से अतिवृत्त सुनना जूँझल-दूर-दूर से के लिए सुकूप लगाना अपनी देखभाल करने का बोझ हल्का करती हूं।

3. कई बार भवित्व पर उत्तराता, रोमांटिक हाल-भाल और आवाज की विषय बन जाते हैं, पर योजनार्मी में एक-दूसरे के प्रति उत्तराता, बड़प्पन व सहजीलताका बाव लगाना और भरोसे को बढ़ाता हूं। दूसरे की छोटी-बड़ी जरूरत समझना आपसी देखभाल दिखाता है।

संकेत है कि आप कड़वाहट के चक्र में फंसे हुए हैं, जिस पर ध्यान देना जरूरी है।

कैसे उबरें

हो सकता है कि आपका गुस्सा या कड़वाहट जाजिब हो। पर हर समय बीची कड़वाहट को ढाना अच्छी बात नहीं। यदि लंबे लंबे किसी के लिए भी दूसरे की देखभाल करने लगते हैं, जिससे तकलीफ और बढ़ जाती है। दूसरे उपेक्षा करने से बहुत सोचते हैं।

■ जब भी खुद को बात पर बहुत सोचते हैं या बूढ़ा महसूस करते हुए देखें तो ध्यान हटाने के लिए एक-दूसरे के लिए चाहें।

■ जो महसूस कर रहे हैं, खुद को उससे अलग करनी सुनाएं। ना पहलू पर

बायाकों की बोझ लगाना और बढ़ जाती है। समय के साथ अनिद्रा, थकान, अरुचि, आत्म-विश्वास में कमी जैसे लक्षण बढ़ने लगते हैं। ऐसे में हार मानने वा दूसरों से दूर होने की बायाकों कुछ कदम उठाएं-

■ जब भी खुद को बात पर बहुत सोचते हैं या बूढ़ा महसूस करते हुए देखें तो ध्यान हटाने के लिए कोई रचनात्मक काम करें।

अपना खेल

■ पंत का अर्धशतक नहीं आया काम, वानखेड़े में तीसरे ही दिन भारत 25 रन से हारा ■ भारतीय सरजमीं पर 3-0 से सीरीज जीतने वाला पहला देश बना न्यूजीलैंड

एजाज के आगे टीम इंडिया ने घुटने टेके

तीसरा टेस्ट

इस शर्णाक हार के लिए भारतीय टीम ही दोषी है। लक्ष बड़ा नहीं था लेकिन उसने जटिलाजी दिखाई। उसके शीर्ष पांच बल्लेबाज 43 गेंद में मात्र 29 रन पर परवेलियन लौट चुके थे। यह सभी बल्लेबाज उसमें मात्र 16 रन जोड़कर गवाए दिए। यह पिछले 26 साल में टीम का सबसे खराब रेकॉर्ड है। इससे घुटने टेके के खिलाफ ही मोहाली में 50 गेंद में शीर्ष छह में से पांच विकेट गंवाए थे।

नहीं बल्कि 55 रन: लंच के बाद जीत के लिए 55 रन चाहिए थे और उसके चार विकेट रेष्टथे। भारत की नैया पार लगाने की जिम्मेदारी पांच के बीच परथा लेकिन उसके विवादास्पद तरीके से आउट होने के बाद मैच का रुख न्यूजीलैंड की तरफ मुड़ गया। न्यूजीलैंड ने एजाज की गेंद पर विकेट के पीछे चैर की अपील की जिसे अंपायर ने दुरुपय दिया। कीवी टीम ने रेस्टिलिया।

न्यूजीलैंड ने दूसरी पारी में 174 रन बनाकर भारत की जीत के लिए 147 रन का लक्ष्य दिया। यह स्कोर टीम के लिए पहाड़ जैसा बन गया। पंत (64) को की साहायिक पारी भी टीम को 0-3 से बर्ली स्थिर पर नहीं रखा। पार था लगाना की जिम्मेदारी पांच के बीच आउट होने के बाद मैच का रुख न्यूजीलैंड की तरफ मुड़ गया। न्यूजीलैंड ने एजाज की गेंद पर विकेट के पीछे चैर की अपील की जिसे अंपायर ने दुरुपय दिया। कीवी टीम ने रेस्टिलिया।

रिहित ने जडेजा (6) के साथ छठे विकेट के लिए 42 रन की साझेदारी की। एजाज की भेंट पर यांग ने शॉट लेग पर नानदार तो दोहरे अंक तक भी नहीं पहुंचे। पंत के आउट सुन्दर (12) और रिहित (11) ने दहाड़ का आंकड़ा पार किया। पहली पारी में पांच विकेट लेने वाले मुंबई में जम्मे एजाज ने दूसरी पारी में छठे और ग्लेन फिलिप्स ने तीन विकेट जड़े।

43 गेंद में गंवाए पांच विकेट:



एजाज ने बॉथम का 43 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

एजाज पटेल वानखेड़े रेस्टिलियम में रविवार को भारत के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद विजेता टीमों के साथ न्यूजीलैंड के खिलाड़ी। कप्तान टीम लैथम ने कहा, हम रात को मिलकर इस जीत का जश मनाएंगे और यह जश ख्याल लौटने के बाद अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगा।

एजाज ने बॉथम का 43 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा (22 विकेट, 4 पारियां, 1980-81) का 43 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा। यहीं नहीं, ये भारत में किसी एक टेस्ट में विदेशी गेंदबाज के सर्वाधिक विकेट भी हैं।

एजाज का टेस्ट में प्रदर्शन

घर में पांच पारियां | 0 विकेट | विदेश में 32 पारियां | 85 विकेट

कप्तान रोहित का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पहले टेस्ट में खेलना संदिग्ध

मुंबई के वानखेड़े रेस्टिलियम में रविवार को भारत के खिलाफ सीरीज जीतने के बाद विजेता टीमों के साथ न्यूजीलैंड के खिलाड़ी। रोहित शर्मा का निजी कारणों से इस महीने के अंत में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गवर्कर ट्रॉपी के पहले टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। भारतीय कप्तान ने रविवार को कहा कि वह इस बृतानी में खेलने की पुरी उम्मीद लगाए हैं। भारतीय टीम 22 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए तैयार है। रोहित ने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं जाकूआ या नहीं, लेकिन उम्मीद लगाए हैं। अगर रोहित पहले टेस्ट में नहीं खेल पाते हैं तो उपकपान जसप्रीत बुमराह टीम की अमुराई करेंगे। अभिमन्यु ईश्वरन उनके कप्तान के तौर पर खेल सकते हैं।

स्कोर बोर्ड

न्यूजीलैंड पहली पारी:	235	जडेजा के खेल, एजाज	06	22	0/0
भारत पहली पारी:	263	वानखेड़े सुरेश ब., एजाज	12	25	0/0
न्यूजीलैंड दूसरी पारी:	174	अरिहंत क., बल्लेबाज, फिलिप्स	08	29	0/0
भारत दूसरी पारी:	121/10 (29.1 ओवर)	आराम दीप ब., फिलिप्स	00	01	0/0
बल्लेबाज:	रन गेंद	बल्लेबाज	4/6		
		रन	22	0/0	
		गेंद	0/0		
		विकेट	12		
		परिवर्तन:	1/13, 2/16, 3/18, 4/28, 5/29, 6/71, 7/106, 8/121, 9/121.		
		गेंदबाजी:	मैट हेनरी	3-0-10-1	
		परिवर्तन:	एजाज पटेल	14.1-1-57-6	
		लैन फिलिप्स	12-0-42-3		
		सरकार ज., रेसिन ब., एजाज	01	02	0/0

ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद कुछ खिलाड़ी हो सकते हैं बाहर टीम की इस हार के बाद बीसीसीआई मूल्यांकन करेगा और टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद कुछ दिग्जेट खिलाड़ियों को इस प्रारूप में कारबोर खेलने हो सकता है। बीसीसीआई डब्ल्यूएलीसी के अंग लैंग की शुरुआत से पहले अनुभवी खिलाड़ियों को बराबर दूरतके से बाहर का साथ दिखाने का मत बना रहा है। इसकी अधिक समावान में से कम के साथ की जीत एक अंतिम रोलिंग रोलरी है। ये वार्षिक खिलाड़ी अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर के आखिरी खेल में हैं।

55 साल बाद चार हार

टीम ने 55 साल बाद घर में एक सत्र में चार टेस्ट हारे। इससे पहले 1969 में ऐसा हुआ था। यह टीम का एक सत्र में सर्वाधिक हार का सयुक्त रिकॉर्ड है।

41 साल बाद तीन टेस्ट हारे

भारतीय टीम ने 41 साल में पहली जबकि कुल छठी बार घर में एक सीरीज में तीन टेस्ट हारे। इससे पहले 1983 में टेस्ट इंडीज के खिलाफ छह मैचों की सीरीज में तीन टेस्ट हारे।

दूसरा सबसे कम लक्ष्य

यह दूसरा सबसे कम लक्ष्य है जिसे टीम हासिल नहीं कर पाई। इससे पहले 1997 में टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ उसके टेस्ट में सर्वाधिक बार बाहर का बाबत की जीत दी गई थी। टीम ने 31 मैच में सफलतापूर्वक बाहर का बाबत की जीत दी। भारतीय टीम 22 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए तैयार है। रोहित ने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं जाकूआ या नहीं, लेकिन उम्मीद लगाए हैं। अगर रोहित पहले टेस्ट में नहीं खेल पाते हैं तो उपकपान जसप्रीत बुमराह टीम की अमुराई करेंगे। अभिमन्यु ईश्वरन उनके कप्तान के तौर पर खेल सकते हैं।

खेल 30s

लियाम का शतक, इंग्लैंड नेविंडीज को हराया

नॉर्थ सार्टेड (एंटीगा)। कपान लियाम लियिंगस्टोन के नडे में पहले शतक (124) और रोमन कुर्से (52) के साथ उनकी 140 साली साइडीदारी से इंग्लैंड में दूसरे बॉक्सरों ने बोर्डर-गवर्कर ट्रॉपी के पहले टेस्ट में खेलना संदिग्ध है। भारतीय कप्तान ने रविवार को कहा कि वह इस बृतानी में खेलने की पुरी उम्मीद लगाए हैं। भारतीय टीम 22 नवंबर से पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेलने के लिए तैयार है। रोहित ने कहा, मुझे नहीं पता कि मैं जाकूआ या नहीं, लेकिन उम्मीद लगाए हैं। अगर रोहित पहले टेस्ट में नहीं खेल पाते हैं तो उपकपान जसप्रीत बुमराह टीम की अमुराई करेंगे। अभिमन्यु ईश्वरन उनके कप्तान के तौर पर खेल सकते हैं।



अनाहत को साल का छठा चैलेंजर स्क्वॉश खिलाव

कॉप्स हारार (ऑस्ट्रेलिया)। भारतीय स्क्वॉश खिलाड़ी अनाहत खिलाव ने रविवार को जापान की अकारी मिडिलर मिडिलर को 3-0 से हराकर कारोबोर आउट हो गया। रोहित ने कहा, जापान की अनाहत खिलाव जीत लिया।

सियोल ओपन: साकेत-रामकुमार युगल चैंपियन

सियोल। साकेत माझेनी और रामकुमार युगल की भारतीय योग्य टेनिस में पुरुष युग्म टेनिस में उन्होंने अमेरिका के वासिल किंजिकोवा को 3-0 से हराकर जीत लिया। रोहित ने कहा, जापान में एक अंतर्राष्ट्रीय पारी खेली। लियाम ने पांच वीके और अंजलि ने एक वीके लैंग विकेट पर 328 रन बना ली। इंग्लैंड ने 47.3 ओवर में पांच विकेट पर 329 रन बना ली। जीत दीजों की टेस्ट सार्ट (59) और जेकब बैंडल (55) ने अंजलि ने ए

केदारनाथ और यमुनोग्री मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद

परंपरा

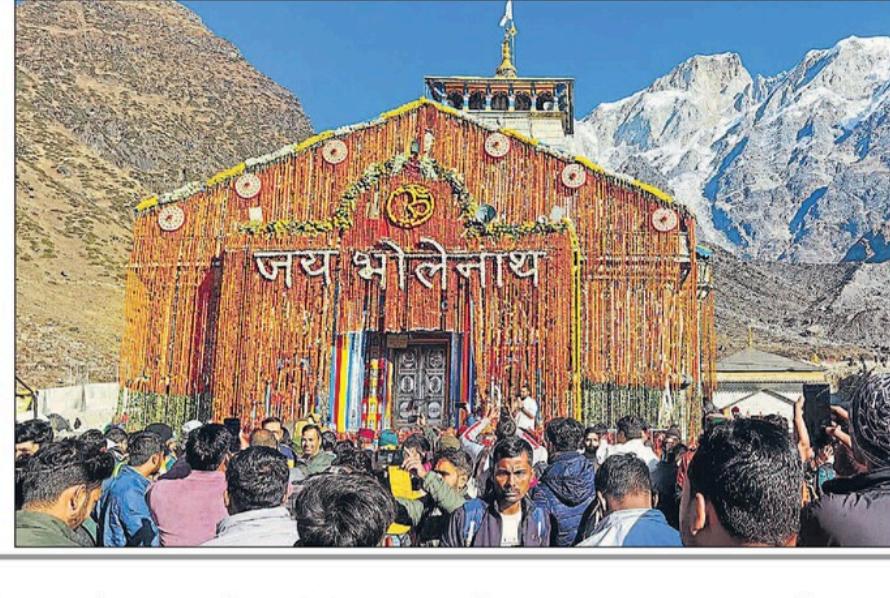
रुद्रप्रयाग/उत्तरकाशी, संचादादाता। भैमोजूज पर रविवार को केदारनाथ और यमुनोग्री मंदिर के कपाट शीतकाल के लिए बंद रहे। इसके बाद नवंबर और दिसंबर के अंत मध्यमें चल विहृत उत्तर क्षेत्र के लिए रवाना हुई।

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम में रविवार को ब्रह्ममुहूर्त पर बाबा के लिए रवाना हुए। यात्रा को रामपुर पहुंची। चार नवंबर को डोली गुप्तकाशी और पांच नवंबर को शीतकालीन गदी-स्थल ओकारेश्वर मंदिर ऊर्ध्वांश्मित स्थित ओकारेश्वर भौंदर के लिए रवाना हुई।

- बाबा केदार की उत्सव डोली कल पहुंचेगी ओकारेश्वर मंदिर

केदार की डोली शीतकालीन गदी स्थल के लिए रवाना हुई, जो गोरीकुंड होते हुए देव शाम को रामपुर पहुंची। चार नवंबर को डोली गुप्तकाशी और पांच नवंबर को शीतकालीन गदी-स्थल ओकारेश्वर मंदिर ऊर्ध्वांश्मित पहुंचेगी। यात्रान केदारनाथ की अगले छह महीने पूजा उत्तरांश में होगी।

दसरी ओर, उत्तरकाशी जिले में स्थित यमुनोग्री मंदिर के कपाट भी रविवार को बंद हुए। शनिवार की डोली खरसाली गांव से मां यमुना को लेने यमुनोग्री पहुंची।



चीन के साथ इंडोनेशिया की निकटता के चलते भारत ने नहीं लिया निर्णय

इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने को लेकर भारत पसोपेश में

नई दिल्ली, विशेष संचादादाता। इंडोनेशिया को ब्रह्मोस मिसाइल बेचने को लेकर भारत पसोपेश में है। सूत्रों के अनुसार, अमेरिका नहीं चाहता है कि भारत इंडोनेशिया को बह भालून बेचे। रक्षा मंत्रालय से बहुत सूत्रों ने बताया है। लेकिन अभी तक इस कोई निर्णय नहीं हुआ। उत्तर ने इस मामले में अभी तक दूरी झंडी नहीं दी रखी। लेकिन ब्रह्मोस मिसाइल जहाजों को नियामन बनाने में सक्षम है। यह 300 सौ किमी की दूरी तक स्टीक हमले कर सकती है।

सूत्रों के अनुसार, इस निर्णय पर फैसला नहीं होने के पीछे कई कारण हैं। पहला, भारत-इंडोनेशिया के संबंधों में विछले कूछ समय से तकरीबा आई है और चीन के साथ उसकी निकटता भी बढ़ती जा रही है। इस वजह से भारत



300 सौ किलोमीटर की दूरी तक ब्रह्मोस मिसाइल स्टीक हमले कर सकती

- अमेरिका भी नहीं चाहता है कि भारत मिसाइल बेचे, काफी समय से बह रही वार्ता

अभी कोई निर्णय नहीं ले पाया है। दूसरे, भारतीय मिसाइल टेक्नोलॉजी कंट्रोल रिजिस्टर और अन्य प्रवाहों के तरत अमेरिका की तरफ से विशेष दर्ज कराए जाने की आवश्यकता नहीं है। तीसरे, यह भारत और अमेरिका की संयुक्त उत्तरक्रम है, इसलिए भी अभी तक इस तरफ से विशेष दर्ज हो रही है।

अंतिम की रहने लायी फातिमा खातून ने ऐसी शक्ति सुखमंत्री की बांधों दी। इस वारे में यूपी पुलिस को भी अलंकृत कर दिया गया।

मुंबई की रहने लायी फातिमा खातून ने ऐसी शक्ति सुखमंत्री की बांधों दी। इस वारे में यूपी पुलिस को भी अलंकृत कर दिया गया।

किए जाने की सूचनाएं हैं। हालांकि, सरकारी सूचने ने सेवे तो पर इसकी विशेष नहीं की है। सूत्रों ने कहा कि इंडोनेशिया को मिसाइल बेचे जाने के संबंध में पहले वेच की आपूर्ति भी उसे की जा चुकी है। फिलीपीन्स की राजनीतिक संबंधों में भारत के लिए चुनौती पैदा कर रहा है। हिंदू प्रशांत क्षेत्र में भारत अंय देशों के साथ राजनीतिक संबंधों में भारत के लिए चुनौती पैदा कर रहा है। फिलीपीन्स को ब्रह्मोस मिसाइलों की ओर आपूर्ति किए जाने को लेकर भी रस्ता सहमत कर रहा है। इसके बाद ही इस पर कोई निर्णय होगा।

किए जाने की सूचनाएं हैं। हालांकि, सरकारी सूचने ने सेवे तो पर इसकी विशेष नहीं की है। सूत्रों ने कहा कि इंडोनेशिया को मिसाइल बेचे जाने के संबंध में पहले वेच की आपूर्ति भी उसे की जा चुकी है। फिलीपीन्स की राजनीतिक संबंधों में भारत के लिए चुनौती पैदा कर रहा है। हिंदू प्रशांत क्षेत्र में भारत अंय देशों के साथ राजनीतिक संबंधों में भारत के लिए चुनौती पैदा कर रहा है। फिलीपीन्स को ब्रह्मोस मिसाइलों की ओर आपूर्ति किए जाने को लेकर भी रस्ता सहमत कर रहा है। इसके बाद उपराज्यपाल के अनुसार, कई नारिंग होम के

नारिंग होम की उल्लंघन कर रहे थे।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह खानियां नारिंग होम संचालक, एसोसी, दमकल एवं स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी हैं। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं है।

एसोसी ने दो चरणों में कुल 146 नारिंग होम की जांच की। इसमें 135 नारिंग होम में खानियां पाइ गई। यह अनिवार्यता बिना अधिकारियों की मिली भारत के संभव नहीं

शेष: ब्रिटेन स्थित कार्डिफ विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने किया ब्रेन कैंसर से जुड़ा अध्ययन

मरिस्तष्क कैंसर के लिए इम्यूनोथेरेपी

सेहत

कार्डिफ, एजेंसी। एक नए शोध में वैज्ञानिकों ने दावा किया कि मरिस्तष्क कार्सर दवा हो सकती है। इस कैंसर से आम और धातव रूप है। इस कैंसर से पीड़ित होने के बाद मरीज के जिंदा रहने का औसत समय 12 से 15 महीने के बीच होता है। ऐसे में इम्यूनोथेरेपी का मानना है कि दरअसल, विश्व विद्यालय के वैज्ञानिकों ने यह अध्ययन किया है।

दरअसल, विश्व विद्यालय के वैज्ञानिकों ने यह अध्ययन किया है। जिसमें बहुत कम रोगी जिंदा बचते हैं। इस विमारी में भारी असरनीय सिद्धांत, अनियन्त्रित दीर्घ, व्यक्तिगत में बदलाव और दिमाग संबंधी कमजोरियों जैसे लक्षणों से पीड़ित होता है। इसके कारण रोगी का जीवन कठिनायक हो जाता है। हालांकि, इम्यूनोथेरेपी की प्रक्रिया मरीजों के लिए कारगर हो सकती है।

सबसे खत्तरनाक द्यूमर : यह प्राकृतिक रूप से होने वाला द्यूमर है। इस गिलोब्लास्टोमा कहा जाता है। यह मरिस्तष्क और रीढ़ की हड्डी में उत्पन्न सकती है। इसमें रोगियों को होने वाले दर्द और कमजोरियों से राहत मिल सकती है। ब्रिटेन के कार्डिफ

इसी विद्यालय के वैज्ञानिकों ने यह अध्ययन किया है। इस विद्यालय के वैज्ञानिकों ने यह अध्ययन किया है। जिसमें बहुत कम रोगी जिंदा बचते हैं। इस विमारी में भारी असरनीय सिद्धांत, अनियन्त्रित दीर्घ, व्यक्तिगत में बदलाव और दिमाग संबंधी कमजोरियों जैसे लक्षणों से पीड़ित होता है। इसके कारण रोगी का जीवन कठिनायक हो जाता है। हालांकि, इम्यूनोथेरेपी की प्रक्रिया मरीजों के लिए कारगर हो सकती है।